अद्भुत प्रतिभा

वैदेही अय्यर

रिक सेनगुप्ता को अमेरिका के सात विश्वविद्यालयों ने पूर्ण छात्रवृत्ति देने की पेशकश की है। वह अद्भुत प्रतिभाशाली छात्र होने के साथ-साथ मनमौजी किशोर भी है।

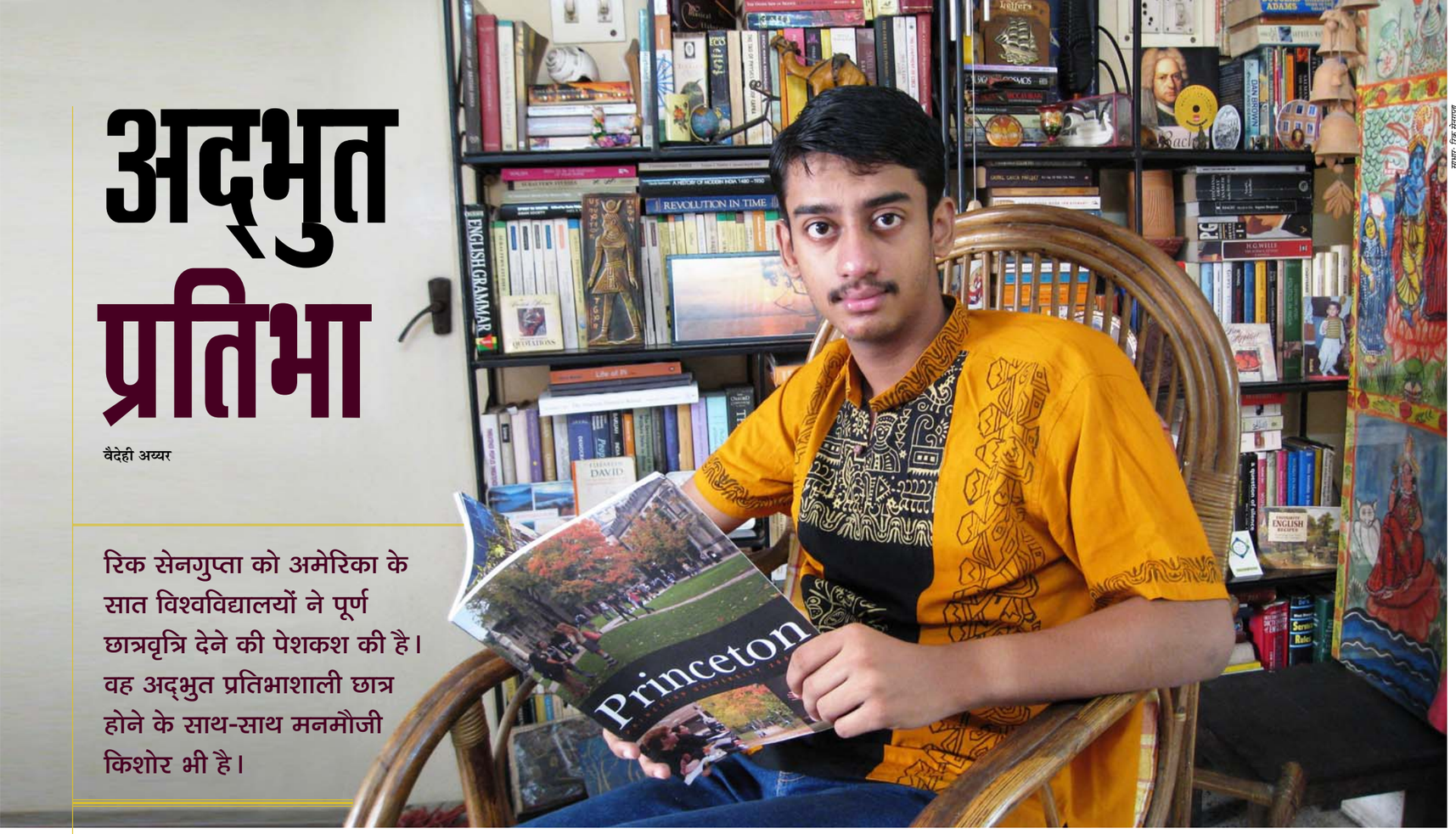

फोटो : रिक सेनगुप्ता

प्रिंस्टन यूनिवर्सिटी स्थित फ्रेंड सेंटर।

रिक सेनगुप्ता एक आकर्षक, बहिर्मुखी, फुटबाल प्रेमी और पियानो बजाने वाला किशोर है जिसमें नटखट विनोदवृत्ति भी है। कोलकाता के इस 18 वर्षीय किशोर की विशेषता यह है कि उसे अमेरिका के सात शीर्षस्थ विश्वविद्यालयों ने अंडरग्रेजुएट दाखिले के लिए पूर्णकालीन छात्रवृत्ति देने की पेशकश की है। 49,000 से 54,000 डॉलर प्रति वर्ष की इस छात्रवृत्ति में पढ़ाई, रहने, खाने का खर्च शामिल है और पुस्तकों तथा व्यक्तिगत खर्चे के लिए भी बड़ी सब्सिडी मिलेगी।

सेनगुप्ता ने अंततः इस साल के शरद ऋतु के सेमेस्टर से न्यू जर्सी की प्रिंसटन यूनिवर्सिटी में पढ़ने का निश्चय किया है। उसका कहना है कि अधिकांश भारतीय छात्रों की तरह उसने उच्च शिक्षा के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) का रास्ता नहीं अपनाया। ''मैं तो एक तरह से गणित-सैद्धांतिक भौतिकी का आदमी हूं और व्यावहारिक विज्ञान में मेरी कभी भी रुचि नहीं रही।''

वह कहते हैं, ''साथ ही, मुझे यह भी लगा कि आईआईटी में विज्ञान और गणित के बढ़िया पाठ्यक्रम तो हो सकते हैं, लेकिन वहां पढ़ने का मतलब था मुझे अपनी रुचि की अन्य तमाम चीजें छोड़ देनी पड़तीं। उदाहरण के लिए, मैं कभी भी रचनात्मक लेखन या संगीत का पाठ्यक्रम नहीं ले सकता था। लेकिन, ये दोनों विषय भी मेरे लिए गणित और भौतिकी के बराबर ही प्रिय हैं। इसलिए इन्हें छोड़ने का तो सवाल ही नहीं उठता। इसलिए मैंने अध्ययन के लिए विदेश जाने का विकल्प तलाश किया और अपने लिए प्रिंस्टन यूनिवर्सिटी को सही पाया।''

सेनगुप्ता को येल यूनिवर्सिटी, कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, ड्यूक यूनिवर्सिटी, विलियम्स कालेज एंड एमहर्स्ट कॉलेज में भी प्रवेश मिल गया। वह अपने प्रिय वैज्ञानिक रिचर्ड पी. फेनमैन को अपना आदर्श मानता है। ''मैं उन्हीं की तरह जो काम करता हूं, उसके प्रति गंभीर रहता हूं और उसी पर पूरा ध्यान देता हूं। साथ ही मैं विनोदी स्वभाव का सामाजिक व्यक्ति भी हूं जिसे लोगों के साथ शरारत करने में मजा आता है। मेरे ब्लॉग से भी यह पता लग जाएगा।''

भावी गणितज्ञ तथा भौतिक विज्ञानी सेनगुप्ता का कहना है कि उसने प्रिंस्टन यूनिवर्सिटी को इसलिए चुना कि वह न केवल 2008 की यू.एस. न्यूज एंड वर्ल्ड रिपोर्ट में राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों की श्रेणी में प्रथम स्थान पर हैं बल्कि इसका ग्रेजुएट गणित पाठ्यक्रम भी प्रथम तथा भौतिकी पाठ्यक्रम दूसरे स्थान पर है।

''मुझे उस यूनिवर्सिटी का छात्र बनने में बहुत गर्व है जिससे मेरे तीन प्रिय वैज्ञानिक-अल्बर्ट आइंस्टाइन, फेनमैन और जॉन नैश जुड़े रहे। प्रिंस्टन में गणित और भौतिक विज्ञान पढ़ने के साथ-साथ मैं साहित्य के नोबेल पुरस्कार विजेता टोनी मॉरिसन, जॉयस कैरोल ओट्स तथा पुलित्ज़र पुरस्कार विजेता कवि पॉल मलडून जैसे प्रख्यात साहित्यकारों से रचनात्मक लेखन पाठ्यक्रम पढ़ सकूंगा।

सेनगुप्ता ने कोलकाता के साउथ प्वाइंट हाईस्कूल में पढ़ाई की और जनवरी 2007 में सैट (एसएटी) रीजनिंग टेस्ट में 2,400 में से 2,380 अंक प्राप्त किए। मई एवं जून 2007 में सैट के विषयगत टेस्ट में उसने प्रथम तथा द्वितीय स्तर के गणित, भौतिकी तथा रसायन विज्ञान में पूरे अंक (800) और साहित्य में 760 अंक प्राप्त किए। विदेशी भाषा के रूप में अंग्रेजी के टेस्ट में सेनगुप्ता को 120 में से 118 अंक मिले।

ऐसे चकित कर देने वाले शैक्षिक रिकॉर्ड के बावजूद उसकी विनोद वृत्ति भी कुछ कम नहीं। ''मुझे फुटबाल, शतरंज, टेक्सस होल्ड'एम पोकर और दोस्तों के साथ घूमना बहुत पसंद है। मैं रिचर्ड फेनमैन, बीटल्स, जिनेदिन जिदान, जॉनी डेप तथा अन्य लोगों का दीवाना हूं। सबसे अच्छी बात यह है कि ''मैं स्कूल के सबसे लोकप्रिय छात्रों में से एक हूं और यह मेरे लिए गर्व का विषय है।''

सेनगुप्ता अपनी प्रगति का श्रेय अपने माता-पिता को देते हैं। वह कहते हैं, ''मेरे माता-पिता दोनों ही इतिहासकार हैं। उन्होंने मुझे सिखाया कि ज्ञान अर्जन के दौरान आनंद कैसे प्राप्त किया जाता है और मैं जो कुछ करूं, उसका आनंद कैसे उठाऊं।''

मां अपराजिता सेनगुप्ता कहती हैं, ''वह दूर जा रहा है, इस कारण मैं थोड़ा उदास हूं लेकिन इस बात की खुशी भी है कि वह वहां आज़ादी से रहेगा और वहां उसका विकास होगा और चुनौतियों का सामना करेगा।''

सेनगुप्ता को बचपन से ही गणित की पहेलियां हल करने में आनंद आता था और ''धीरे-धीरे मुझे यह भी पता लग गया कि साहित्यिक विषयों में कितना जादुई आनंद छिपा है, जैसे 'एलिस इन वंडरलैंड' में। फिर मैंने पियानो बजाना सीखा, और.....सरगम तथा सुरों की बारीकियों को समझा। इस तरह, मेरी कई रुचियां आपस में मिल गईं। किताबों की, संगीत और गणित सबकी अलग-अलग दुनिया एक आत्मा से बंध गई।''

उसे कविताएं लिखने के साथ ही यूरोपीय शास्त्रीय से लेकर समकालीन भारतीय व अमेरिकी रॉक 'एन' रोल, हर तरह का संगीत और यूरोपीय तथा हॉलीवुड फिल्में भी पसंद हैं। उसकी बहुमुखी प्रतिभा में जादुई करतब जैसे ताश के पत्तों के साथ हाथ की सफाई भी शामिल है।

उसका कहना है, ''भारत में हर विद्यार्थी को प्राप्त ज्ञान के बारे में प्रश्न करने का मौका दिया जाना चाहिए। मुझे लगता है, हमारी भारतीय शिक्षा प्रणाली में यह गायब है। मैं तो इतना ही कहना चाहता हूं कि प्रत्येक विद्यार्थी को निडर होकर अपनी रुचि का क्षेत्र चुनना चाहिए और उस ओर बढ़ने के लिए हर दांव लगाना तथा जोखिम उठाना चाहिए। अंत में, मैं यही कहूंगा कि अपनी रुचि के क्षेत्र को चुनना सफलता की सर्वोत्तम राह है।''

वैदेही अय्यर पत्रकार और संपादक हैं और चेन्नई में रहती हैं।

प्रिंस्टन यूनिवर्सिटी का नासॉ हाल।

फोटो: विकीमीडिया

ज़्यादा जानकारी के लिए:

रिक सेनगुप्ता का ब्लॉग

http://thethirteenthdimension.blogspot.com/

प्रिंस्टन यूनिवर्सिटी

http://www.princeton.edu/main/